

हस्ताक्षर

उत्पादकालय इन्डस्ट्रियल एडवर्टाइजिंग लिमिटेड



कार्य सं० ५६५।

[बोर्ड के आदेश सं० ४११६ बी० ता० १२-८-११ में अनुमोदित]

[स्थायी रूप से प्रसिद्ध]

Notice upled
24-2-18

संयुक्त मुख्य-पृष्ठ और पत्रावरण।

(दिनें विन १२० अगिनेर हकीक १२११)

SAR 06/16-17

विभाग

श्री अकबर माली

चन्द्र शर्मा

केसर्स

बिबि

भाग का वर्णन	किस तारीख को जारी किया गया	पन्नों की संख्या	पृष्ठों की संख्या	प्राप्त की श्रेणी	अव्युक्ति
				21-3-18	18-11-16
				6-6-18	18-12-16
	11-1-2018			7-12-16	
	9-12-2017			11-1-17	
	13/1/2021			12-9-18	8-2-17
	07/8/2021			5-12-17	3-17
	12/9/21			16-1-18	3-4-17
	18/8/2021				28-4-17
	20/10/21			20-2-19	29-5-17
	18/12/21				28-6-17
	11-2-22			22-5	2-8-17
	18/2			10-7-19	28-8-17
	4/4/22			11-9-19	11-10-17
	28/4/22			6-11-19	22-11-17
	14/2/22			5-2-23	1-18
	23/8/22				
	30-9-22				
	20/11/22			253	14-2-18

आदेश-पत्रक

(देखें नियम 129 अभिलेख हस्तक)

आदेश पत्रक-ता०.....सेतक
जिला-सिमडेगा, संख्या SAR 06/2016-17
केस का प्रकार:- बिहार अनुसूचित क्षेत्र विनियम 1969

अकावर मांका
चन्दर साह

आदेश की क्रम सं० आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर की गई कार्रवाई
और तारीख

श्री.....
पिता.....
साकिन..... थाना.....
जिला-सिमडेगा ने आवदन-पत्र दिया है कि निम्नलिखित
जमीन को नाजायज तरीके से विपक्षी.....
चन्दर साह
पता सं० गोपाल साह

30/11/16
21-10-16
18-11-16

साकिन..... थाना.....
जिला-सिमडेगा ने कब्जा कर लिया है। इस जमीन को बिहार
अनुसूचित क्षेत्र विनियम 1969 के अंतर्गत वापस दिलाने का
अनुरोध करते हैं।

ग्राम	खाता सं०	प्लॉट सं०	रकबा
<u>गोरामजान</u>	<u>49</u>	<u>485</u>	<u>0.05</u>
		<u>486</u>	<u>0.25</u>
		<u>499</u>	<u>1.78</u>
		<u>3</u>	<u>कुल 2.08 रोवड़</u>

उभय पक्ष को सूचित करें। अभिलेख दिनांक.....
को उपस्थापित करें।

अनुमण्डल दण्डाधिकारी,
सिमडेगा।

न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, सिमडेगा।

वाद सं०-एस०ए०आर० ०६/२०१६-१७

दिनांक.....

अकबर मांझी

बनाम

चन्दर साव

आदेश

प्रस्तुत वाद अनुसूचित क्षेत्र विनियम, १९६९ अन्तर्गत भूमि वापसी वाद की कार्यवाही आवेदक अकबर मांझी, पिता-हाकुड़ मांझी, साकिन-गोरारजोर, थाना-केरसई, जिला-सिमडेगा के आवेदन पर प्रारंभ किया गया। आवेदक ने लिखा है कि विपक्षी चन्दर साव, पिता-स्व० गोपाल साव, साकिन-गोरारजोर, थाना-केरसई, जिला-सिमडेगा ने अवैध तरीके से उनकी रैयती भूमि पर कब्जा कर लिया है। जिसे बिहार अनुसूचित क्षेत्र विनियम, १९६९ के तहत वापस दिलवाने का अनुरोध किया है। वाद सं०-०६/२०१६-१७ के अनुसार प्रश्नगत भूमि की विवरणी निम्नवत है:-

<u>मौजा</u>	<u>खाता नं०</u>	<u>प्लॉट नं०</u>	<u>रकबा</u>
गोरारजोर	४९	४८५	०.०५ एकड़
		४८६	०.२५ एकड़
		४९९	१.७८ एकड़
			कुल-२.०८ एकड़

वाद की कार्यवाही प्रारंभ करते हुए अंचल अधिकारी, केरसई को इस न्यायालय के पत्रांक १६२(ii)/विधि, दिनांक २६.०४.२०१६ एवं पत्रांक १२०/विधि, दिनांक १८.०२.२०२२ द्वारा उपर्युक्त अंकित भूमि से संबंधित प्रतिवेदन की मांग की गई। अंचलाधिकारी, केरसई के द्वारा प्रतिवेदन अप्राप्त है। अभिलेख के अवलोकन से ज्ञात होता है कि उभय पक्षों को न्यायालय में संबंधित वाद की सुनवाई हेतु उपस्थित होने के लिए आदेशित किया जाता रहा है। दिनांक ०४.०९.२०१९ से अबतक उभय पक्षों के द्वारा अधिवक्ताओं के माध्यम से हाजरी पड़ी और ना ही उभय पक्ष व्यक्तिगत रूप से न्यायालय में सशरीर उपस्थित हो सके। ऐसा प्रतीत होता है कि उभय पक्षों को बिहार अनुसूचित क्षेत्र विनियम, १९६९ के वाद की सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से अभिरूचि नहीं है। इनकी मनसा शायद न्यायालय के समय को बर्बाद करने का है। ऐसे स्थिति में वाद सं०-०६/२०१६-१७ को संचिकास्त किया जा सकता है। फिर भी यदि आवेदक की इच्छा हो तो संबंधित वाद को न्यायालय में पुनः सुनवाई हेतु आवेदन पत्र समर्पित करते हुए अनुरोध कर सकते हैं।

लेखापित एवं संशोधित।

अनुमण्डल दण्डाधिकारी
सिमडेगा।

अनुमण्डल दण्डाधिकारी
सिमडेगा।